

सुता सुनन लिग वव नम २ रुन यि पन मादि वज्ज, जि न गु ध न य ॥ ८० ॥
॥ ~~नाम~~ ॥ मध्य भनू महा म वि क न क ना जि न, पूर्व वि द ह न रु म्बु दी
पं २ अ प न र ग ज य नी, उ रु न क न रु व न, पं व व धे, पं व जि न व्या पि या न ॥
॥ ६ ॥ न म पं व रु धं: वि ष्व णी जि न वि ष्व हि न्, वि ष्व रु न, प थ ३ म न् नि
२ अ रु दि पा न ता: वे ह गि जि न मा न् सा रु नं रु रु य मि मि न घ न धा न नू पं ॥ ॥
जा म व द न स्य, या उ प दि प, ना उ प दि प, ह न रु ध्वा न २ ख स ना ला, उ प दि प, व

उदिगं. सुवन. आउपद्विप. श्रीखलुपन॥ ॥ दिनदवपावियनल. नूधि
 नयावियमफ. अक्षदल. वृम्वियान२. अववनाउ. दिविय. सायनवका. मभिर
 लनिखिलधदयंनि॥ ॥ गुनवन. मभिवनसा. रगमिपनिलवना. म
 नकसमउदकपनिमंदलिपूजा२. प्रधवपनिलानथि. सफपनिउ धि ३
 ता. खवकननिभिसननत्वसंरुमुन॥ ॥ ३. ॥ ~~समवेननि~~ निर्माणादिच
 लुषष्टिदुसनाग्रह. मध्यगतकालिहमनादनूपी२. हमीनध लिन. ललि

तार्द्धगा. नी. नननीनसगा. पप्रकलनूपी॥ ॥ ५. ॥ अंनमामिदवीशीवजविना
 मिनी. विरुवहनम. खसमहानदवी२. अदियान. पधुगिनि कामनूपीहीरुम
 सुविशुद्धमेधुलनृपयंनि॥ ॥ ॥ वसदलसनाग्रहः वनधर्मवक. धा
 उमदलसंलगवकं२. डाकिमनदल. कमल. महासुखवक. इकावननूपी
 हनूकनाथ॥ ॥ ॥ दहयिजिनविद्यादिहि. नयारुदनी. गवयिमृगधानया
 नादनूपि२. पी. अदिदगहमिसृगरपूजति. जिनहानदायती. वीनध्वनी॥ ॥

गणेशदेव

दर्पणप्रतिविम्बु. कलकवक्ष्यापम. अहिनिहिसमनकवजद्वी २ ऊन्मऊन्म
मानूकुंशपायसवत्स. इर्गनिनाशनमाकपदागा ॥ ७० ॥ वागमध्याहेनवि
गमकुदहन. पथरहानस्वनूपं २ पथरमनसं. पथरसाविपूजा ॥ ७१ ॥
शुक्रदेवीवनिनायकिडुवनवीवा २ विमलनलार्यकसमयाज्जानंद
॥ ॥ दीनंवीनध्व. सहजानंद २ कलंकमलासन. हृदयानंद ॥ ॥
पथरहानस्वनूपं २ देवास्वनन. प्रमृदिगहृदया ॥ ॥ ॐ नमो ॥

पठयागिनी

ह्रीं ॥ धनकनीक २ उमनयलध्वनि. विनमानंद ॥ ७० ॥ वागमध्यादि ॥
षठयागिनीदेवी. शिडुवधव्यापिनी २ विघ्नमान इष्टदर्पविनाशिनी ॥ ७१ ॥
नमामि वीणीवज्रवाहाहि २ अक्षि सिद्धिदायनी. जगज्जननी ॥ ७२ ॥
पूर्वदलगम. नकवर्षुगि २ ०० गान यामिनीदेवी. नीलवदनी ॥ ७३ ॥
वायुव्यमाहिनीदेवी. लघनवर्षु २ पश्चिमसवाविनी. लोवर्षुदहा ॥ ७४ ॥
॥ नमोऽस्यसंज्ञाहिनीदेवी. हनिनवर्षु २ दहनवसुिकादेवी. धूमवर्षु २ ॥

अष्टादश

५ अतिथ

अ
न
०

वानाहि आलिंगनः सम्यक् न वयि या ॥ ॥ अहिसम्बीनवीनम्बन ऊहीऊः
हिं नहिं नहिं अहिसम्बीनवीनम्बन ऊहीऊः सध्वं देव वज्र पाठ भद्री मीनमियनसंहा
व ॥ ॥ निडुवनडुक्कलकुनायाः ॥ रवाडा निडुवनडुक्कलकुविनवी
मा २ निडुवननवनाटकसंघम्भ ॥ दिवः रुलियउलुकाकाना ॥ ॥
अहिनीसंसगगुनवान कुना गद्यदिगनरावराव २ ऊनमनस रुयबंधन
द्यादिगनरुयमान् अमियसंहाव ॥ ॥ ॥ वागललिग ॥ अनूतनगधताः

वंकानसरव नल्वनूप विनिग विविह कलर्ग २ ऊंआ ४ ऊं कानवजामृग कम्
दक सफसंरगाधिन हानमन्मयं ॥ ॥ वद्यामृगनसंवाधिरुलदायकः सध्वं
जिनव्यापिनः सहज कलसं २ ऊगन ॥ मनरगाधक शुन्यता कनूलागाव सं
साननागनविनकनूपं ॥ ॥ वज्र ॥ पनमान वग अ व संयुक्त भीखरगा
धिन पथरपियूर्व २ ऊं कानमनु प्रप्य संवधः वज्र संस्थापिनः विपाकलर्ग
॥ ॥ घठ मल्यं नन नफनूपराव आ मधु किनीऊलजनूपं २ अनिदिसाः

जिनिनायन ११

धनसः देवतायकः हनसत्त्वमानियः हृदिजकलर्मी ॥ ॥ पाद्यादिश्रवमन
दानपूष्यसनः समयसत्त्वः प्रवर्गिकः विमलकलस २ महानागडवीरुयाः वाधि
विरुनूपः समयसत्त्व हनसत्त्वचकि लर्मी ॥ ॥ ॥ ~~नागग~~ ~~नागग~~ ॥ ॥
जिनिनायनः वउवृक्कविहानाश्कन इपनिष्ठाः मधुलहाम ॥ ॥ ॥ हा ॥ हा ॥
महामकनयियाः ईईनहिचउमाला २ नागधयभाह वधिप्रद्यदित्र ॥ ॥
पहाघलउपायनवजा २ नविमनिवाययिः आचार्यवयिथ ॥ ॥ वामदहि

नकवर्ध १२

धकनः शुवानपायश्कलयिवजाननः आरुमिदिना ॥ ॥ कर्षुवाननः अ
संगनहाम २ वजपवनघघः वियसंवाक्ष ॥ ॥ ॥ ~~नागग~~ ~~नागग~~ ॥ ॥
जिनिलायनः सृदविश् अक्षदगरुः जः पहनसकिनल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वानुसीः मामकिदेवी २ जगनयमादि नः मयनसनाग ॥ ॥ ॥ ॥ आगमवद
पनानवषाल २ यागधर्मदिकागुनूपदल ॥ ॥ ॥ ॥ पक्षवृक्षस्यनूपः कभड
२ स्यानयागिनी मामहनुअवडुहनुव ॥ ॥ ॥ ॥ सकगुनूचनलमिनगन

नमो हं १२
विष्णु १२

धनिया २२ न० वाकवजः सूनरानुपि ॥ २०६ ॥ ॥ वागवेनवा ॥ नमो हं अ
काननूपधन २ स्वयं विसखउरुधन ॥ ७ ॥ गनाइं हं गनाइं हं २ गनागनहं हं ॥ ॥ नील
हं हं ॥ ॥ दंदाजालिंगतयागध ॥ नृवजघलमूडाधन ॥ ॥ धवनस
भंखनदहधन २ सनदसूगहिय ॥ वज्रमन ॥ ॥ मायादहनीधजंगु २
साहियकनूतः सखमइं ॥ २०७ ॥ ॥ वागः ॥ गनमाधि ॥ शिवकनविम
निमधुलमाभः स्थितिज्ञानदमनू निधना २ वजवात्राहिः जालिंगतसम्भवा

नानानस्मिमहाकुला ॥ ७ ॥ गनाइं हं गनाइं हं २ गनागनहं हं ॥ ॥ नील
वधूचउवकुपकिमुखजिनगः पनमानंदमू निधना २ विन्धवजजर्धवयः जय
मूकनधनाः हाजहनयसूमाहिता ॥ ॥ वजघलः गजवर्मजमनूखइं ग
विनमानंदमनू निधना २ कचनिकपा ॥ लपनधु पागजिभूलाः वज्रगिनध
नाः व्याघ्रवर्मकलिस्थिता ॥ ॥ दिगविदिगः काकाध्यादि यमजकिनीद
वीः सहजानंदमनू निधना २ नमामि २ शीवकसम्भवाः सगुनूवनधजानाधिता

रुद्रिगवजानन २७

रुद्रागपयन ॥ कूलिगवजाननल. नविगभिक्कुविग. डावयि. अकाननादत्रुपी २ः
कूइनुआरग. शिउवनविष्ठाः पयिसयिजिनगभिविइनुपी ॥ ५ ॥ पयमानः
दमनुगिनूपधानीः काधाधिप. शीमं रुवजा २ अंश ४ ३ काधाधिपशीमं
रुवजा ॥ ॥ कूलिगकमलसंजा गः सरुजानद. पवनगनंगसुवि
नगानि २ ययमुखः षट्पुजः नलमूकट धानिः कूकभिगानून दहिनवाभ ॥
कूइमलुलापनि. वजपर्यकासन. कूकमानूनगनू. पकूलिगा २ वजखकू सन

२

कालाधि २८

दहिन. कनधानि. वामयल्लासनवापधानि ॥ ॥ विविगनल्लआएनध.
रुषिग. रूलयि. अन्नगमनुगिनूप २ भगगुनुवनध. कमलप्रभादाः नमामि
पनमामिनिशाल्यद ॥ २८ ॥ ॥ कालायिलथिया. बाला
मनिन. कनकाला २ घनकपिथिहान् वजयिकनूरध. क्रियायिनलाला ॥
॥ ५ ॥ मलयजकूइनुवजयिः ठिलिमानान हिबजयि ॥ ॥ गहिरुनुखा
जनगल्लः मयनापिवेयिनयायि २ हलकालिजनः पनयायि. इइनुवजनया

यि॥ ॥ यउसमकस्तुनि. सिद्धा. कर्पून् लावनयायि २ मलययि धनमालि
 कलः सुहिरुनखाऊनयायि॥ ॥ पुष्पनक्षत्रकनकः शुद्धाशुद्धनमूनयि २
 निमस्रहः अंगवद्यावयिथाः महिंजस्र वा. यानयायि॥ ८३. ॥ ॥ ~~नमः~~
~~लावलि~~॥ सर्ववृद्धविबुद्धमस्तुताः वि • ध्वमालकदनी २ वज्रयागिनी. वज्रम.
 लिग उिलायनी॥ ६॥ नमामिवाङ्गलि. सिद्धियागिनी. गलमस्तु
 ता २ अक्षर आदि सर्वसिद्धि. यागिनी गलमस्तुता॥ ॥ अदि एमस्तुल. गजहनस

१०

दीपमालचन्दनीः मकूटकणदिगंवना २ मस्तुमालारवद्वागं मस्तुता. लक्ष्मि जि का
 लयंकना॥ ॥ गुफादवीनकुअनकाः सयनविश्ववियापिना २ गुह्यवज्रम
 मिल्यंधनीः अवधूवकर्षूयागवयि या॥ ८४. ॥ ॥ ~~नमः~~ अहस्तु॥
 हाजारनक्ष. क्रियायित्र. सम्यन. धन यिकं वाङ्गलि. निमवध २ गुफावान
 कन. मस्तुया मस्तुनः मकूटकणदिगंवना॥ ६॥ नमः मान् सम्यनलायाः सम
 नस्रदनीमान् काला २ हमविनाहीनी. वज्रवानाहीरुठमहिमान् गवा॥ ॥

अ
 ८
 ९
 १०

॥ आलंकारयनवनसूहमयन. कर्पूररुवळूगवावा २ गगधनीलावर्धू. वक्षिण
 कृष्ण. मनुमधुलहवनीना ॥ ॥ विषयधउरवटह. छदिगलसम्बनः पयिस
 यिभून्परुदावा २ हसवावाहिनी. वज्र वावाहि. गुफविन्दयमिर्जधारा ॥
 ॥ ॥ गभवगिलीलावज्र कलियाउ ॥ न. सगगुनवनलज्जना ॥ २ समया
 नन्द. रुलिंगन मधुल सम्बन वज्रवावाही ॥ ॥ ॥ वागकर्षूदि ॥ विहंगवा
 पयि. यागिनीदहकवादि २ कमलकूलिग ॥ यलकनद्रूनजीवयी ॥ ॥

यागिनीगुफविन्पक्षद्रूनजीवयि २ गानामूहचुम्बियान. कमलसंपिवयी ॥ ॥
 रूपद्रयागिनी. नपनजायि २ मतिकूलवहियान. अजियानसमान ॥ ॥ साग्वध
 प्रधानकवियान २ वडसूर्यइयिपक नरना ॥ ॥ रुनयिगमजनि
 हसकंडनूवीना २ मनयनानी. माज उरयनहवीना ॥ ॥ ॥
 वागगयारववि ॥ विविहविहन्नमा नविगमिवदन २ दवास्ननन. सुव
 नरुडकनू ॥ ॥ ॥ नावेवनमामिगीसम्बनवीना २ वज्रयागिनीवजिभ

सहस्रभृगवा ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिंगधक ॥ २ ॥ दृशिसंविनंविनं
 न. सम्यनमधुला ॥ ॥ गमकूदहन. विम्बुमांसधुलकग २ कनूधनूध
 लायनवीयसंहावे ॥ ॥ द्वादश. हजधवीया. वाविचउवदन २ नी
 लसंहावगगधकुंशलीना ॥ ॥ ७० ॥ वागविहस ॥ उदिगागनयिया १२
 पवधइगा २ अलंसह. दानकका भलकगा ॥ ७२ ॥ धानइष्टानरुवनि
 संगललिगा २ अखयनीनंजन. भाकलंकगा ॥ ॥ दिनकनमधुल. म

ध्यगगा २ कनूधमृगनसवसंकगा ॥ ॥ दग्धआलिहय. पमिनिहका २ दवास्
 नननगिलनमिका ॥ ॥ गमअंमिपवनपहि. गुनरुगगा २ वज्रवावाहि. कुंशभिल
 नमिका ॥ ७० ॥ वागगन्धलेनवि ॥ ॥ ७१ ॥ पवयानमहानस. गमकूदह
 २ दवीवज्रवीनासिनीतल्लनवज्र ॥ ॥ ७२ ॥ वज्रवावाहिआलिंगधगग २
 न २ स्वर्गभाकमार्ज. सखउद्धाननार्थ ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिंगधगग २
 गिरुवनदवास्नननदवी ॥ ॥ पूजापूषुकाहिक. अन्तरुनक्रिया २

अं वा २३

सत्यननवि. तत्वक्रिया. समुच्चयः ॥ शुभपुष्पादन. इर्गनिनाभन २ हनयिकू
लनरु. आचार्यवनिगा ॥ ॐ ॥ नागपुष्प ॥ ऊर्यवाचुलिः हनूअघनयि २
सयनसूनासूनः ऊगमउधारी ॥ ॐ ॥ महलगवनिपाइकमलमहिमधुल
नोपननः ॥ सुनंकांना २ हाऊआरुनध ॥ विरुधिनमस्वलघ २ उलाला २ मि
निशिनयनिशिनयना ॥ ॥ कनकिखस्यन. गीव्यनूदननभिलमाला २
कृकिनखदांगवन. मूकनक ॥ ॥ मित्रसीइनवाग. कऊलसूला २

अवनिनिहिताज्ञान २४

कलुत्रिकर्पूतः ताम्बूलसखसाना ॥ ॥ रुनयिसूनगवज्र वाद्य लिदासा २
 शिवजदवीषसाधः श्रीहनुअपाया ॥ ३ ॥ ~~मोक्ष~~ कलाय ॥ अवनितिहिमज्ञान
 नीलसमदहा २ ककनचिनयन । रिखवरना ॥ ४ ॥ गनाहैरुंग
 नाहैरुं १ हैरुं हैरुं हैरुं जाग अवल काठ लाया ॥ ५ ॥ हनिहनवका
 दूध व ३ उमाला २ मालविघ्नइति सकलयहनना ॥ ६ ॥ निविदिमघ
 इति १ ॥ हिमसंग २ पागरवक्र धानि गिरुवननाथ ॥ ७ ॥ विविधिग नत्न

अवा निनिगवान् २५

भोलीलंकनदहा २ उगमवांछिग. वल्लह लयायकं ॥ ७७ ॥ वागकाका ॥
 अवननिनिहिमवामजानूः खड्गकिन ॥ समालसंजाग २ वागद्वयमाह वन्धि
 त्रयाभा. उडुवनलाया. अलवीना ॥ ७८ ॥ नमामिणीवधुमहनायका
 जायमृग लयकदिगा २ विन्धनाथ विन्धा व्यापिन. दिनविक्रम. महाकाटनाया
 ॥ ॥ अगिरिखनाउ. उडुप्रवधु. दक्षकनाया. विंङ्गिकिननौ २ पीछिन
 अधनाककननयना. वेविसंजाग नाखडुसनधा ॥ ॥ माधवमायापून

98

असिद्ध २५

डवुक्का. नोदपिष्ठावादि. पादरुनक्ष २ समनसमाया. नागविभाह. हानला.
 समाहिगदहा ॥ नत्तारुनक्ष प्रकृ लिगमोलि. कयूननोपूननूक्षीगूनंका
 ना २ सूनतननामः वंदिगवनक्ष २ नायसूनसूनअवलवीना ॥ ८७० ॥
 नागवसन ॥ अगसिक्कसूमइनिदह ॥ पराव्वेना २ विविधिनत्वमणि. मकू
 ठविह्विमा ॥ ४२ ॥ नावेनलोअवलविना २ मनावउअनन्दविनासयिअव
 ला ॥ ॥ व्यामउहवविम्भूमूडादधना २ प्रहाअलिगम अद्वयमहासूह ॥ ॥

जीवजनेनामा २९

॥ विनागचन्द्रयुक्तिरुवलयंकना २ नस्यनिहम. रक्कमरू निपाभा ॥ ॥
मानवकुनदर्प. निखिलविष्णुहना २ नविभमिश्रगनन. गगनविनासयिभ्र.
वला ॥ ॥ ॥ नागकर्नमि ॥ श्रीह वज्रनेनालादेवी: शिशुवननाथा २
पथरजितव्यापिग पवरवधूदहा ॥ ॥ नमोमिश्रीगपूछागयेय
२हनूकशीगुभ. ध्वनी: वज्रयोगिनी. नून्यगा ॥ ॥ पूर्वदिगं स्निग. सेनवे
नीलवधू २ दहिनपाशध्वनी. वामविन्धना ॥ ॥ यस्मिन्नीचोनीयागिनीद्वी

१५

अष्टनादि २८

२ गभवक्ति विनावज हंकात्रसंवजा ॥ ॥ ॥ नागपंचम ॥ अष्टनागी. अ
ष्टपाथकात्र २ अष्टयागिनीववन ॥ ॥ ॥ सिनससिंदनकजलस्त्रला २ देवी
प्रभादन. माक्रमार्ज ॥ ॥ नन गत्व. अधिनेप्रोपकात्र २ गुनूवाकन
आनाग्यं ॥ ॥ कूलत्रंभमाशु. ग त्वरुलदे २ कवूधिकुविरु. नागरुल
दे ॥ ॥ गत्वगिनसि. सिद्धिरुलप्रभादे २ कनमकुनमवज विनामिनिभनर्ध
॥ ॥ ॥ ॥ नागकर्नमि ॥ श्रीमंशनाथवन. महावीनविजया २ वधहासखक

जिनवदनजानि २८

धावितागवासकदस्वन् ॥ ॐ ॥ नमामि स्थीमेरुक्रमाना २ जगदिभ्यः जग
 तयन्तुवनव्यापिता ॥ ॥ पृष्ठ- कधनशुभः पवनमयुत्रायास्थीध
 र्मधाकृष्णान्नपालमधुलसंके- ता ॥ ॥ जगन्नाथ जगन्नीनं
 जननाथ २ सर्वसोम्यपक्षिगनिनये- ता ॥ ॐ ॥ ॥ ~~राजराज~~ ॥ जिनव
 लजननिः पद्मभवनमसिक्ता २ विनाभयिसमनसं दंदाशालिङ्गध ॥ ॐ ॥
 निनंसहस्रनय २ गमनसंपूर्ण २ गराशालिङ्गध आनन्दनयन ॥ ॥

१७

ॐ
 नमो
 भू

वापयिसंलगः सयनधिमयन २ मागविनाग इयिमाभ निषर्ण ॥ ॥
 अकृकलिभसंलग विमूर्खना २ स्नननयप्रमुखः दंदाशालिङ्गध ॥ ॥
 दहदिहकुवनलीयागम्वना २ प्रथमामिहानन्वरीशालिङ्गध ॥
 ॥ ॐ ॥ ॥ ~~नामनाम~~ वि ॥ है है है द हधनः संसाधनन २ दंदाशालिङ्गध
 यागधन ॥ ॐ ॥ हवजुश्रुगना है है गना है है २ गना गन है है है ॥ ॥
 स्नननवदिग्वनधधन २ कसुमविलपन दहधन ॥ ॥ रावविमूकठ

विश्वयुध. कृतयि २ नमः ४ कृष्णी हवः ३ कृतयुध पयि ॥ ३० ॥ वागनाठ
 सकल गगन गुन सम्वन वीवा २ अनूपम. कनक कविता सख विहा ॥ ३१ ॥
 सम्वन २ कृतमयिता २ विविधिक सविता गन नृप ॥ ॥ देवी वावाहि ११
 युक्तमसि गदहा २ रव रुय हनन. वि भाव विरमया ॥ ॥ सकल विद्युह ११
 मिम मिन् (ग) २ नमि पति. स्वर्ग निवा गन नृप ॥ ॥ रावा राव रुग हनिम
 मि विहा २ अनूपम सख नर मगन सख विहा ॥ ॥ ८६ ॥

११

वज्रयागिनी २१
 २१

वागमानधि ॥ वज्रयागिनी. हननाया २ गिरुवन नाथ दहि मप्रा ॥
 ॥ ३२ ॥ पीवयि नमः महानस. महासख कवीया २ वज्र देवी रुलीया अनुरुन
 न ॥ ॥ उर्ध्व नानी. शिदल कमल सथा २ दहिविनासयी. पवन सं
 दयि ॥ ॥ उर्ध्वयी न पंन महसख कवीया २ पक्ष गिनसि. विरू बा
 धी ॥ ॥ सग गुन वन (प) २ वज्र थालि धक २ प्रा (स) धवी. मंमानस म
 दा ॥ ८६ ॥ ~~वज्रयागिनी~~ ॥ नील रुकाव. प्रकालिगे किन २ उर्ध्व पिंगल

कवि
२२

कमलाहवजलाया ॥ ६ ॥ नीलवर्णदेवी कनर्हि कपालधना २ जगन्मातृ कनिशीनेना
लादेवी ॥ ॥ इन्द्रावीनदिशि जालिगमसमाधि २ धाउमरुज कनातकधनीया ॥ ॥
रसविशुधिर घट्मृदाहनम २ व्याघ्रवर्म पत्रहिन नवसिन्धुमाला ॥ ॥ ५ ॥
महोन्नतानायायन २ वापयिचतु चनस वधुमालमर्दन ॥ ॥ ६ ॥
~~महोन्नतानायायन~~ कनियकनूतदेवी नूतनालाशुद २ सहजज्ञानद वाद्य लिखी ॥
॥ ७ ॥ नावयिजकालि शिरुवनकुम्भस्यजकालि २ स्यानबुधस्य तुम्भजका

१८

कवि
२३

लि ॥ ॥ तुम्भवाद्य लिखी तानानूप २ जकपाद कानिगयननयिया ॥ ॥
तुम्भवाद्य लिखी जगन्उगमंती २ माहुरतानशीहन्जालयिया ॥ ॥ पालि
लेनव उरयवनत २ यस्यनावन वज्रयागिनी नावयी ॥ ॥ ७ ॥
~~नागवसन~~ ॥ कृष्णवर्णमनू द्वादश रुजगीव २ वउमखवनत लेनव
कालि ॥ ६ ॥ नावयित्री सम्यनमाया २ वज्रवात्राहि जालिगम साहिग
नावयिन ॥ ॥ अकिनिनामारवधुलाहा २ नूपिनिपंवज्र सिद्धिपदाय

25

[illegible]

ऊयं ऊयं ३०

हनुशः विनासयिषु न्यकनूक्ष ॥ ८० ॥ ~~नागरेन वा~~ ॥ ऊयं ऊयं वाद्यलिसयन
 मलस्कनि २ ऊरवय ३ ४ खयसंहा निधी ॥ ४२ ॥ नूधं मूर्धं अनहाः ईं काननावयि
 माननिनवाधी ॥ ॥ जिनमनया ॥ यिः दहपूयनेः जिनऊननिः वजयागि
 ती ॥ ॥ ऊयं ऊयं हाजलनवसूक्ष्म ॥ लश्कननिकपालः खद्वांगधारी ॥ २९
 ऊयं ऊयं मोडममनस्थित २ गीव्यनूद वनगिनमाना ॥ ॥ ऊयं ऊयं वाखडू
 जगनसंस्तान २ प्रथमामिऊद्वयसंवाद्यली ॥ ॥ ८० ॥ ~~नागरेन वा~~ ॥ ॥

गजजिन ३८

गजजिन ऊर्ध्व हाथधनीयाः कमलकुलिसैः ऊद्वयवानि २ उमनूकनरि कुलन
 डिगूलाः वामखद्वांगकपानधना ॥ ४३ ॥ श्रीसम्बननाया वाद्यलिङ्गु म्रजाग
 निता २ मानयिनः वापयिषानमायाः ॥ सासूखवकु मूडासिद्धिविध ॥ ॥
 पागवक्र मूद वामहाथधनीयाः ॥ ननगिलमाला २ नीलहनीमलाहि
 गकनकारवचउमुखअगिविकलालऊधना ॥ ॥ अलिरुपयारुनवेवा
 पयिषानः कालिनागि विम्वमूडा २ विध्वकुलिगः ऊर्ध्ववन्दजठायकः वाधुवर्म

जखयनिनंजन ३९

बटमूडा ॥ ॥ हिसंविनवीनधन लायक विनिवक महाविनवीना २ कनूध
॥ गभयविनवीनधन. उंजयी सयान संमानधना ॥ ॥ ३० ॥ ~~नागनिवद~~ ॥
जखयनिनंजन. अद्वयअनूपयः गग सवनंज साधना २ शुन्यता विना भित्ता
य. श्रीवियादवी. प्रायविदु समझादिता ॥ ॥ ॥ नमामि नितानरुव. निवक
नरगभावा. हनुस्मन संपोपिता २ सनद वद समरुज प्रकासित. जलज वद समय
व्यापिता ॥ ॥ खडगयागभवन. साधिन वकवहि. भनूमधुल रुमकलिना २ नि

२२

वज्रियादि ४०

मोनहृदयावक व्यापित अहि सि सिक्क जलुमयसाधना ॥ ॥ अनंदपनमा
नंद. विनमा. सहजा चहुवानद. असंरुवा २ पनमाविनमा ॥ नद्यादिल महासख
एगमवनपापिता ॥ ॥ हवजका लवक श्रीवक समवन. अनरुकाठि. सि
झापानंगमा २ श्रीहमअठियान. पूर्ण गिनिजानंधन. प्ररु महासखजानई
॥ ॥ ३० ॥ ~~नागभावन~~ ॥ वज्रिया निवता निवधालिदवी २ सिंधिनी. व्याधिनी
जम्बूक उन्किनी ॥ ॥ ॥ नमामि श्रीयागभवन ॥ हानधवीया २ विनिनगद

मान विष्णुनाभनीद्वी॥

॥ नकनयध. छिनिनूडमाला २ खडकनगि

2875

उत्तराखण्ड

23